प्रति०
उपजिलाधिकारी महोदया
अध्यक्ष–उपखण्ड स्तरीय वनाधिकार समिति

दिनांक– 6/6/020

विषय : ग्राम कजरिया में पानी एवं ग्रामीणों की निकासी पर वनविभाग द्वारा लगाई गयी रोक के सम्बंध में।

आ० महोदया
आपको अवगत कराना है कि ग्राम कजरिया मे वनविभाग द्वारा पानी एवं ग्रामीणों की निकासी पर अवैध तरीके से रोक लगा दी गयी है। वनविभाग द्वारा गाँव के चारों ओर 6 से 7 मीटर गहरी नाली खोद दी गयी है। जिससे ग्रामीणों एवं पानी की निकासी पूरी तरह से अवरुद्ध हो गयी है। इस कारण से ग्राम कजरिया के ग्रामीणों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे घरेलू पशुओं को चराने की समस्या व ग्रामीणों की जीविका से सम्बन्धित कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

आपके संज्ञान में यह भी लाना है कि बनकटी रेंज के वनकर्मियों द्वारा यह जो 6 से 7 मीटर की नाली खोदी गयी है, इससे सिर्फ ग्रामवासियों को ही नही बल्कि जंगली जानवरों का जीवन भी खतरे में डाल दिया गया है यदि उक्त नाली मे जंगली जानवर गिर जाएं तो जंगली जानवरों का बचना भी मुश्किल होगा एवं आने वाली वर्षा ऋतु में यह खतरा और भी बढ़ जायेगा।
इसके अलावा वनविभाग द्वारा दुधवा क्षेत्र के सभी गाँवों में हम थारू आदिवासियों व अन्य वनाश्रितों का कोरोना का डर दिखा कर लाकडाउन के नाम पर भी लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। जबकि केन्द्रीय गृहमंत्रालय द्वारा 17 अप्रैल 2020 को ही वनक्षेत्रों में लघुवनोपज के संग्रहण में वनाश्रित समुदायों को छूट देने के आदेश जारी कर दिये गये थे। (फोटोप्रति संलग्न)

अतः महोदया आपसे अनुरोध है कि इन सभी समस्याओं को गम्भीरता से संज्ञान में लेते हुए जाँच कराकर वनविभाग के जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई कराने का कष्ट करें। अगर समय रहते इन समस्याओं का निदान न कराया तो हमारी फसलें बर्बाद हो जायेंगी और हम भूखों मरने की कगार पर आ जायेंगे। ऐसी स्थिति में हमारे पास जमीन पर उतरकर आंदोलन करने के सिवा कोई रास्ता नही बचेगा, जिसके लिये पूरी तरह से वनविभाग व प्रशासन ज़िम्मेदार होंगे।

हमें आपसे पूरी उम्मीद है कि आप हम पीढ़ियों से ऐतिहासिक अन्यायों के शिकार रहे आदिवासी व दलित समुदायों की पीड़ा को समझते हुए ठोस कदम उठाकर कार्रवाई करेंगे। धन्यवाद

सादर भवदीय

सभी ग्रामवनाधिकार समितियों की ओर से

कलावती कजरिया
निवादा सूड़ा
सरवती कजरिया
अनारकली
सुरमा – सवानिघा
कजरिया

ग्राम प्रधान
अनीता
ग्राम प्रधान सूड़ा
वि० ख० पलिया-खीरी

राजरानी कजरिया
नीलम ॥
पल्टी ॥
रानी ॥